बिज़नेस स्टैंडर्ड

Business Standard Ltd. Copyright & Disclaimer feedback@business-standard.com

Thu, 27 Apr-17; Business Standard - Hindi - Delhi; Size : 164 sq.cm.;
Page : 2

बेहतर हैं मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक

हंसिनी कार्तिक
मुंबई, 26 अप्रैल

यह विडंबना है कि एसऐंडपी बीएसई मिडकैप व स्मॉलकैप सूचकांक उस दिन लाल निशान के साथ बंद हुए जब एसऐंडपी बीएसई सेंसेक्स ने 30,000 के पार बंद होकर रिकॉर्ड बना दिया। मिडकैप व स्मॉलकैप का प्रतिनिधित्व करने वाले सूचकांकों ने पिछले दो सालों में यानी साल 2014 के मध्य से शानदार रिटर्न दिया है और प्रदर्शन के मामले में सेंसेक्स को बड़े अंतर से पीछे छोड़ा है। अगर बाजार के प्रतिभागी एक बार फिर बीएसई सेंसेक्स के 30,000 के पार निकलने से खुश हैं तो विशेषज्ञों का कहना है कि सेंसेक्स में शामिल शेयरों से बाहर काफी ज्यादा रकम कमाई गई है। बीएसई मिडकैप व स्मॉलकैप सूचकांकों ने 2017 में क्रमश: 22 व 27 फीसदी का रिटर्न दिया है। बीएसई मिडकैप सूचकांक में शामिल 85 शेयरों में से सिर्फ 7 शेयर ही साल से अब तक की अवधि के आधार पर लाल निशान में है। बेहतर प्रदर्शन करने वाले सन टीवी, जिंदल स्टील ऐंड पावर, अदाणी एंटरप्राइजेज, इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनैंस और बजाज फिनसर्व में इस अवधि में 54-86 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज हुई है। हालांकि मिडकैप व स्मॉलकैप शेयरों में किसी क्षेत्र विशेष के प्रदर्शन का मामला नहीं है, लेकिन इस सूचकांक में शामिल कई क्षेत्रों के शेयर बेहतर प्रदर्शन करने वालों में शामिल हैं।

बीएसई रियल्टी, बीएसई टिकाऊ उपभोक्ता, बीएसई कैपिटल गुड्स और बीएसई फाइनैंस (जिसमें एनबीएफसी के शेयर शामिल हैं) बेहतर रहे हैं और साल 2017 में अब तक इसमें 30-55 फीसदी की उछाल दर्ज हुई है। बीएसई एनर्जी व बीएसई तेल व गैस में इस अवधि में 20-21 फीसदी की उछाल आई है। बीएसई आईटी व बीएसई दूरसंचार सूचकांक ही सिर्फ लाल निशान में हैं, जिनमें इस साल अब तक 5.4 फीसदी व 0.6 फीसदी की गिरावट आई है। अन्य क्षेत्र मसलन बीएसई ऑटो व बीएसई मेटल 10-12 फीसदी चढ़ा है, जो सेंसेक्स के साल 2017 के 13 फीसदी की बढ़त से थोड़े ही नीचे हैं। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में इस साल अब तक महज 2.4 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज हुई है।

देसी संस्थागत निवेशकों की तरफ से नकदी झोके जाने से खास तौर से मिडकैप स्मॉलकैप शेयरों में ज्यादातर समय खरीदारी होती रही है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि अगर यह निवेश स्थिर बना रहा तो मिडकैप व स्मॉलकैप शेयर में बेहतरी जारी रह सकती है। रिलायंस सिक्योरिटीज के सीईओ बी गोपकुमार ने कहा, मिडकैप व स्मॉलकैप शेयरों की तेजी में देसी नकदी ने अहम भूमका अदा की है और इस तरह की नकदी लंबे समय तक बनी रह सकती है।